भारतीय निर्यात-आयात बैंक

प्रेस विज्ञप्ति

विज्ञप्ति क्रमांक : 20 /2010

7/05/2010 को दोपहर 13.00बजे से पूर्व प्रकाशित न किया जाए।

प्रेस विज्ञप्ति

एक्ज़िम बैंक द्वारा 2009-10 के वार्षिक परिणामों की घोषणा

बैंक ने ऋण-आस्तियों में 14% की वृद्धि दर्ज की

भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्ज़िम बैंक) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री टी.सी.ए.रंगनाथन ने शुक्रवार, 07 मई, 2010 को मुंबई में आयोजित एक प्रेस सम्मेलन में वर्ष 2009-10, जो कि बैंक के परिचालनों का 28 वां वर्ष है, के लिए बैंक के परिणामों की घोषणा की।

वित्तीय निष्पादन

- कर पूर्व लाभ 772.4 करोड़ रुपये रहा जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 26% की वृद्धि दर्ज की गई जबकि निवल लाभ 513.5 करोड़ रुपये रहा।
- पूंजी पर्याप्तता (जोखिम आस्तियों की तुलना में) अनुपात 31 मार्च, 2009 के 16.77% की तुलना में यथा 31 मार्च, 2010 को 18.99% रहा।

व्यवसाय निष्पादन

- ऋण आस्तियाँ 14% की वृद्धि दर्ज करते हुए 31 मार्च, 2009 के 34,505 करोड़ रुपये से बढ़कर 31 मार्च, 2010 को 39,371 करोड़ रुपये हो गईं। ऋण मंजूरियाँ वर्ष 2009-10 के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में 16% वृद्धि के साथ 38,843 करोड़ रुपये की रहीं। ऋण संवितरण पिछले वर्ष की तुलना में 15% वृद्धि के साथ 33,249 करोड़ रुपये रहे।
- निवल गैर-निष्पादक आस्तियां यथा 31 मार्च, 2010 को गत वर्ष के 0.23% की तुलना में घटकर निवल ऋण आस्तियों का 0.20% रहीं।
- वर्ष के दौरान बैंक ने भारत से परियोजनाओं, माल तथा सेवाओं के निर्यात में सहायता देने के लिए 20 देशों में कुल 753.31 मिलियन यू एस डॉलर की 22 ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान कीं। वर्तमान में अफ्रीका, एशिया, सी आई एस, यूरोप तथा लैटिन अमेरिका में 94 देशों को शामिल करते हुए कुल 4.5 बिलियन यू एस डॉलर राशि की 136 ऋण-व्यवस्थाएं उपभोग के लिए उपलब्ध हैं, जबकि कई ऋण-व्यवस्थाएं बातचीत के विभिन्न चरणों में हैं। बैंक ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान करने पर विशेष जोर देता है क्योंकि यह लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए बाजार पहुंच की एक प्रभावी व्यवस्था है।
- वर्ष के दौरान एक्ज़िम बैंक की सहायता से 13 कंपनियों द्वारा 12 देशों में 13,993 करोड़ रुपये मूल्य की परियोजना निर्यात संविदाएं प्राप्त की गईं।

- वर्ष के दौरान 18 कंपनियों को 6 देशों में उनके विदेशी निवेश के आंशिक वित्तपोषण के लिए 1,054 करोड़ रुपये की निधिक तथा गैर-निधिक सुविधाएं प्रदान की गईं। एक्ज़िम बैंक ने अब तक ऑस्ट्रिया, कनाडा, चीन, आयरलैंड, इंडोनेशिया, इटली, मलेशिया, मॉरिशस, मोरक्को, नीदरलैंड्स, ओमान, रोमानिया, सिंगापुर, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका, श्री लंका, यू ए ई, यू के तथा यू एस ए सहित 64 देशों में 209 से अधिक कंपनियों द्वारा स्थापित 259 उद्यमों को सहायता प्रदान की है।

- यथा 31 मार्च, 2010 को बैंक की बहियों में गारंटियाँ 2,274 करोड़ रुपये की थीं।

संसाधन/राजकोष

- वर्ष के दौरान भारत सरकार की ओर से बैंक को 300 करोड़ रुपये की पूंजी प्राप्त हुई तदनुसार यथा 31 मार्च, 2010 को बैंक की चुकता पूंजी बढ़कर 1,700 करोड़ रुपये हो गयी जो बैंक की प्राधिकृत पूंजी 2,000 करोड़ रुपये की तुलना में है।

- वर्ष के दौरान बैंक ने विभिन्न परिपक्वता अवधियों की कुल 20,266 करोड़ रुपये की उधार राशियाँ जुटाईं जिनमें 13,037 करोड़ रुपये के रुपया संसाधन और 1.61 बिलियन यू एस डॉलर समतुल्य के विदेशी मुद्रा संसाधन शामिल थे।

- यथा 31 मार्च, 2010 को बैंक के पास बांडों/वाणिज्यिक पत्रों तथा जमा प्रमाण-पत्रों सहित बकाया रुपया उधार राशियाँ 24,584 करोड़ रुपये की रहीं जबकि विदेशी मुद्रा संसाधन राशियां 4.16 बिलियन यू एस डॉलर के समतुल्य थीं। यथा 31 मार्च, 2010 को बैंक की कुल उधार राशियां गत वर्ष के 37,202 करोड़ रुपये की तुलना में 40,509 करोड़ रुपये की रहीं।

- यथा 31 मार्च, 2010 को बैंक के कुल संसाधनों में बाजार उधारियों का हिस्सा 88% रहा।

- बैंक की रुपया सावधि जमा राशियां 31 मार्च, 2009 के 950 करोड़ रुपये से बढ़कर यथा 31 मार्च, 2010 को 1,296 करोड़ रुपये हो गईं तथा सावधि जमा खातों की संख्या बढ़कर 17,800 से अधिक हो गई।

- बैंक के घरेलू ऋण लिखतों को रेटिंग एजेंसियों यथा क्रिसिल, इक्रा द्वारा 'ए ए ए' जैसी उच्चतम क्रेडिट रेटिंग प्रदान की जाती रही है।

- 31 मार्च, 2010 को बैंक को मूडीज द्वारा बी ए ए ^{3} (स्थिर) रेटिंग, स्टैंडर्ड एंड पुअर्स द्वारा बी बी बी $^{-}$ (स्थिर), फिच द्वारा बी बी बी $^{-}$ (स्थिर) तथा जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (जे सी आर ए) द्वारा बी बी बी $^{+}$ (स्थिर) रेटिंग प्रदान की गई है। वर्तमान में बैंक को प्राप्त उपर्युक्त सभी रेटिंग निवेश ग्रेड या उससे ऊपर की रेटिंग हैं जो संप्रभु रेटिंग के समतुल्य हैं।

- बैंक ने अंतरराष्ट्रीय ऋण बाजारों में जनवरी 2010 में 300 मिलियन यू एस डॉलर तथा अप्रैल 2010 में 200 मिलियन यू एस डॉलर मूल्य के रेग एस बॉंड जारी किए हैं।

नई पहलें

चंडीगढ़ में प्रतिनिधि कार्यालय खोलना

वर्ष के दौरान बैंक ने चंडीगढ़ में एक प्रतिनिधि कार्यालय खोला जिससे देश के उत्तर पश्चिम क्षेत्र की कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने के उनके प्रयासों में मदद मिलेगी।

अफ्रीकी विकास बैंक के साथ सह-वित्तपोषण करार

बैंक ने अफ्रीकी विकास बैंक (ए एफ डी बी) के साथ नवम्बर 2009 में एक सहमति ज्ञापन (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर किए जिसमें ए एफ डी बी के क्षेत्रीय सदस्य देशों में परियोजनाओं के संयुक्त वित्तपोषण के लिए व्यवस्था है। इस सहमति ज्ञापन से दोनों संस्थाओं के संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए बड़ी संख्या में परियोजनाओं को सहयोग प्रदान किया जा सकेगा तथा परियोजना निर्यात के साथ सामान्यतः जुड़े हुए सीमापार जोखिमों तथा भुगतान जोखिमों को कम करने में मदद मिलेगी।

लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए नवोन्मेषी कार्यक्रम

बैंक कॉमनवेल्थ सचिवालय द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम '9वें एवं 10वें कॉमनवेल्थ-इंडिया स्मॉल बिजनेस कॉम्पीटिटिवनेस डेवेलपमेंट प्रोग्राम' में सहभागिता कर रहा है। 9वां कॉमनवेल्थ कार्यक्रम जून 2009 में बैंगलोर में ''लघु एवं मध्यम उद्यमों का संपोषी विकासः वित्तपोषण की भूमिका तथा उचित प्रौद्योगिकी'' विषय पर तथा 10वां कॉमनवेल्थ कार्यक्रम फरवरी 2010 में जयपुर में ''लघु एवं मध्यम उद्यमः सहयोग, वित्तपोषण एवं प्रौद्योगिकी के जरिए संपोषी विकास'' विषय पर आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों के आयोजन में बैंक की सक्रिय सहभागिता रही।

ब्रिक देशों के विकास बैंकों के साथ समझौता ज्ञापन

बैंक ने, अभी हाल ही में ब्राजील की राजधानी ब्रासिलिया में संपन्न ब्रिक देशों (ब्राजील, रूस, भारत तथा चीन) के सम्मेलन के दौरान ब्राजील, रूस तथा चीन के तीन प्रमुख विकास बैंकों क्रमशः ब्राजीलियन डेवेलपमेंट बैंक (बी एन डी ई एस), बैंक फॉर डेवेलपमेंट एंड फॉरेन इकोनॉमिक अफेयर्स ऑफ रसिया (वेनेश्कोनॉम बैंक) तथा चाइना डेवेलपमेंट बैंक के साथ सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग ज्ञापन का उद्देश्य समान हित वाली सीमा पार व्यापार परियोजनाओं तथा संव्यवहारों को सहयोग प्रदान करना; ब्रिक देशों तथा उनके उद्यमों के बीच व्यापार तथा आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देना; निवेश परियोजनाओं का वित्तपोषण करना तथा ब्रिक देशों के आर्थिक विकास के लिए कार्य करना शामिल है। इस सहयोग ज्ञापन पर चारों देशों के राष्ट्राध्यक्षों/सरकारी प्रमुखों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

ग्रामीण ग्रासरुट स्तर पर व्यावसायिक पहलें

ग्रामीण उद्योगों के वैश्वीकरण को सहयोग प्रदान करने के लिए बैंक के पास ग्रासरूट पहल कार्यक्रम के अंतर्गत एक सुविधा है। पंचायती राज मंत्रालय के साथ किए गए एक सहयोग ज्ञापन के अंतर्गत बैंक को वायनाड, केरल; नागपट्टिनम, तमिलनाडु तथा बस्तर, छत्तीसगढ़ में ग्रामीण व्यवसाय केन्द्रों (आर बी एच) की स्थापना के लिए गेटवे एजेंसी के रूप में प्राधिकृत किया गया है।

एक्ज़िम बैंक अपने विशिष्ट निर्यात विपणन सेवा कार्यक्रम, विदेशी कार्यालयों एवं संस्थागत संबद्धताओं का प्रभावी उपयोग करते हुए ग्रामीण उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने में सक्रिय रूप से सहयोग करता है। इसके साथ ही एक्ज़िम बैंक ने एक ग्रामीण प्रौद्योगिकी निर्यात विकास निधि की स्थापना के लिए निधि का प्रावधान किया है जिसका उद्देश्य निर्यात संवर्द्धन के साथ-साथ भारत से नवोन्मेषी ग्रामीण ग्रासरूट प्रौद्योगिकी की निर्यात क्षमताओं को भी बढ़ाना है।

कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

सामाजिक दायित्वों की पूर्ति के अपने उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक्ज़िम बैंक कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज (के आई एस एस), भुवनेश्वर की लड़कियों की अंडर-14 रग्बी टीम को सहायता प्रदान कर रहा है। कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज का उद्देश्य आदिवासी बच्चों को औपचारिक शिक्षा के साथ-साथ रोजगार परक शिक्षा प्रदान करना है। एक्ज़िम बैंक कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज की रग्बी टीम को प्रशिक्षण एवं बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने के साथ-साथ विभिन्न टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए सहायता प्रदान कर रहा है।

शोध एवं आयोजना

वर्ष के दौरान बैंक द्वारा 8 प्रासंगिक आलेख नामतः मध्यम एवं लघु उद्यम तथा वैश्वीकरणः भारत तथा चुनिंदा देशों में संस्थागत सहयोग प्रणाली का विश्लेषण; अंतरराष्ट्रीय व्यापार, वित्त एवं मुद्राः असमान विकास पर लेख; सिक्किमः निर्यात संभाव्यता तथा संभावनाएं; मिजोरमः निर्यात संभाव्यता एवं संभावनाएं; पुष्पोत्पादनः एक क्षेत्रीय अध्ययन; भारत में जैवप्रौद्योगिकी उद्योगः विकास के अवसर; भारतीय रत्न एवं आभूषण : एक क्षेत्रीय अध्ययन; तथा एस ए डी सीः भारत के व्यापार एवं निवेश संभाव्यता पर अध्ययन प्रकाशित किए गए।

एक्ज़िम बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं का वैश्विक नेटवर्क

एक्ज़िम बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं के वैश्विक नेटवर्क (जी-नेक्ज़िड) की स्थापना एक्ज़िम बैंक की पहल पर अंकटाड के तत्वावधान में जिनेवा में मार्च 2006 में की गई थी। नेटवर्क ने विभिन्न विकासशील देशों के एक्ज़िम बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं के सहयोग से दक्षिण-दक्षिण सहयोग तथा निवेश को बढ़ाने तथा वार्षिक बैठकों के आयोजन में अच्छा कार्य किया है।

जी-नेक्ज़िड सदस्यों के बीच निरंतर संवाद जारी रखने की एक प्रक्रिया के रूप में जी-नेक्ज़िड की चौथी वार्षिक बैठक के अवसर पर "वैश्विक वित्तीय मंदीः दक्षिण-दक्षिण व्यापार वित्त एवं सहयोग की महत्ता" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। जी-नेक्ज़िड ने अंकटाड के महासचिव, डॉ.सुपाचई पैनिचपाकडी की उपस्थिति में अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

एडफिएप डेवेलपमेंट अवार्ड

एशिया तथा प्रशांत में विकास वित्तपोषण संस्थाओं के संघ (एडफिएप) का डेवेलपमेंट अवार्ड ऐसी एडफिएप सदस्य संस्थाओं को सम्मानित करता है, जिन्होंने ऐसी परियोजनाओं को वित्तीय सहायता दी है जिनसे संबंधित देशों में एक विकासात्मक प्रभाव उत्पन्न हुआ हो। बैंक ने वर्ष 2010 के लिए ***"ट्रेड डेवेलपमेंट अवार्ड"*** प्रदान किया है। यह पुरस्कार बैंक के ऋण-व्यवस्था कार्यक्रम की मान्यता में है जो कि विशेषकर लघु एवं मध्यम उद्यमों को बाजार पहुंच सुनिश्चित करने का एक प्रभावी माध्यम है।

स्थापना दिवस वार्षिक अभिभाषण 2010

- डॉ.सुपाचई पैनिचपाकडी, महासचिव, संयुक्त राष्ट्र एवं विकास सम्मेलन (अंकटाड) ने वर्ष 2010 के लिए बैंक का 25 वां स्थापना दिवस वार्षिक व्याख्यान दिया। डॉ. पैनिचपाकडी ने ''आर्थिक अभिशासन का पुनर्निर्माण : संपोषी वृद्धि तथा विकास का एजेंडा'' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। डॉ. सुबीर गोकर्ण, उप गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक, मुंबई ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क कीजिए : श्री एस. श्रीनिवास, महाप्रबंधक, भारतीय निर्यात-आयात बैंक, केंद्र एक भवन, विश्व व्यापार केंद्र संकुल, 21 वीं मंज़िल कफ़ परेड, मुंबई-400005, टेलीफोनः 22172829, फैक्स : 22182572, ई-मेल :cag@eximbankindia.in वेबसाइटः www.eximbankindia.in